AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

स्थापना दिवस | लविवि का आर्ट्स कॉलेज आज पूरा करेगा 112 वर्षों का सफर, एशिया के पांच सबसे पुराने कला महाविद्यालयों में है शामिल

यहां के हर कोने पर लिखा है कलाकारों का पता...

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय का कला एवं शिल्प महाविद्यालय शुक्रवार को 112 वर्षों का सफर पूरा कर लेगा। ये कॉलेज जितना पुराना है, इसका इतिहास उतना ही खूबसूरत है। अंग्रेजी शासन काल में ब्रितानिया हुकूमत ने भारतीय कला के प्रशिक्षण के लिए वर्ष 1911 में प्राचार्य नैथेनियल हार्ड के नेतृत्व में इस कॉलेज की स्थापना की। शुरुआत में यहां पांच डिप्लोमा व सर्टिफिकेट कोर्स कुछ विद्यार्थियों के साथ शुरू हुए थे। वर्तमान में यहां यूजी पीजी सहित पीएचडी पाठ्यक्रम संचालित हैं। इनमें 500 से अधिक विद्यार्थी शिक्षा ले रहे हैं। इस कॉलेज को एशिया के पांच सबसे पुराने कला महाविद्यालयों के साथ निर्मित होने का गौरव हासिल है। इसमें कोलकाता, लाहौर, मुंबई, चेन्नई के कॉलेज शामिल हैं। आर्ट्स कॉलेज के छात्र रहे फणेंद्रनाथ चतुर्वेदी, नवल किशोर रस्तोगी, नूपुर कुंदू, मेहनाज वानो जैसे बड़े कलाकार देश-विदेश में अपनी प्रतिभा से कॉलेज का मान बढ़ा रहे हैं। वहीं, कॉलेज ने असित कुमार हल्दर, सुधीर रंजन खास्तगीर जैसे विश्व प्रसिद्ध चित्रकार दिए हैं। इसके अलावा कॉलेज से जुड़े हुए रणबीर सिंह बिष्ट, सुकुमार बासू, प्रो. श्याम शर्मा, यशोधर मठपाल व सुधीर रंजन खास्तगीर पद्मश्री सम्मान से नवाजे जा चुके हैं।

जवाहर लाल नेहरू ने किया था भ्रमण

- आर्ट्स कॉलेज में पूर्व प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू, सुचेता कृपलानी, मशहूर चित्रकार एमएफ हुसैन, अमिताभ बच्चन व आयुष्मान खुराना जैसे अभिनेता अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुके हैं।

तीन तक होंगे भव्य कार्यक्रम

कॉलेज के प्राचार्य प्रो. रतन कुमार ने बताया कि तीन दिवसीय स्थापना दिवस समारोह का उद्घाटन शुक्रवार को दोपहर एक बजे हल्दर हॉल में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय व गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन करेंगी। कार्यक्रम में प्रमुख सचिव समाज कल्याण डॉ. हरिओम भी रहेंगे। विद्यार्थियों की ओर तीन दिन तक विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

लविवि : कुलपति के निरीक्षण में कक्षा से गायब मिले गुरुजी

संवाद न्यूज एजेंसी

राजनीति शास्त्र विभाग के शिक्षक को नोटिस जारी कर जवाब तलब

लखनऊ। लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बृहस्पतिवार को विभिन्न विभागों में चल रही कक्षाओं का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान राजनीतिशास्त्र विभाग में इंटरनेशनल रिलेशनशिप की कक्षा के समय गुरुजी क्लास रूम से गायब मिले। ऐसे में कुलपति ने नाराजगी जाहिर करते हुए अनुपस्थित शिक्षक को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। हालांकि, अन्य विभागों में कक्षाओं की स्थिति संतोषजनक मिली। जहां ज्यादातर विभागों में शिक्षक पढ़ाते नजर आए।

कुलपति ने निरीक्षण के दौरान विभागों में साफ-सफाई व फर्नीचर की व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिन विभागों का निरीक्षण किया उनमें मानव विज्ञान, हिंदी, प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के साथ राजनीति विज्ञान विभाग शामिल रहे। वीसी ने प्राचीन भारतीय इतिहास विभाग में एमए के विद्यार्थियों से प्रस्तुतिकरण सुना।

कक्षा का निरीक्षण करते वीसी प्रो. आलोक कुमार राय। -संवाद

विभिन्न कक्षाओं में छात्र-छात्राओं से बात कर कोर्स और कक्षाएं चलने की जानकारी ली। इस दौरान विद्यार्थियों ने कुलपति को बताया कि वह पढ़ने के साथ और किन गतिविधियों में अपना समय दे रहे हैं।

कॉलेजों में कक्षाओं की स्थिति खराब : लविवि में तो कुलपति के निरीक्षण के भय के चलते शिक्षक कक्षाएं ले लेते हैं, लेकिन विवि से संबद्ध एडेड कॉलेजों में कक्षाओं की स्थिति खराब है। यहां दिनभर में शायद ही कक्षाएं चलती हों। ऐसे में यहां भी कक्षाओं के निरीक्षण की आवश्यकता है।

बाल लाइटनिंग की दी जानकारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में बृहस्पतिवार को आयोजित कार्यक्रम में सीएमएस के वाइस प्रेसीडेंट डॉ. रोजर डेविड ने छात्रों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने छात्रों को बाल लाइटनिंग की रोचक व सारगर्भित जानकारी दी। (संवाद)

राजा महमूदाबाद को दी श्रद्धांजलि

लखनऊ। लविवि के महमूदाबाद छात्रावास में बृहस्पतिवार को राजा महमूदाबाद मो. अमीर मोहम्मद खान के निधन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस मौके महमूदाबाद व हबीबुल्लाह छात्रावास के छात्रों, वार्डेन प्रो. ओपी शुक्ला व डॉ. महेंद्र अग्निहोत्री ने नम आंखों से श्रद्धांजलि दी। प्रो. ओपी शुक्ला ने कहा लविवि की स्थापना में राजा महमूदाबाद बहुत योगदान रहा है। (संवाद)

i-NEXT PAGE 6

8 तक करें हॉस्टल के लिए आवेदन

LUCKNOW (5 Oct): लखनऊ यूनिवर्सिटी में बीटेक व बीटेक लेटरल एंट्री, बीफार्मा, एमसीए, एमपीएड, एमलिव कोर्स में नए स्टूडेंट्स के हॉस्टल आवंटन संबंधी सूचना एलयू की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है. इनमें आवेदन करने की आखिरी तारीख 8 अक्टूबर है. हॉस्टल आवंटन की पूरी प्रक्रिया एचएमएस ऐप पर ऑनलाइन हो रही है. मुख्य अभिरक्षक प्रो. अनूप कुमार सिंह ने बताया कि आवेदन करने वाले स्टूडेंट्स को एडमिशन में प्राप्त मेरिट के आधार पर नियमानुसार आरक्षण लगाते हुए हॉस्टल आवंटन किया जाएगा. अगर किसी स्टूडेंट को आवेदन करने में कोई समस्या आती है, तो वह पोर्टल पर उपलब्ध हेल्पडेस्क में शिकायत कर सकते हैं. इसका निस्तारण 24 घंटे के अंदर कर दिया जाएगा.

वीसी ने किया सभी विभागों का प्रॉपर इंस्पेक्शन

LUCKNOW (5 Oct): लखनऊ यूनिवर्सिटी में वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने गुरुवार को हिन्दी, राजनीति विज्ञान, मानव विज्ञान और प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने स्टूडेंट्स से बातचीत भी की. साथ ही उनसे कोर्स व क्लासेज के बारे में जानकारी ली. इस दौरान उन्होंने प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के एमए के छात्रों के प्रस्तुतिकरण को भी सुना. प्रो. राय ने कई स्टूडेंट्स से उनकी रुचि और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से जुड़े टिप्स पर चर्चा की.

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू कुलपति कक्षा में पहुंचे नदारद गुरुजी को नोटिस

सख्ती

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक राय ने गुरुवार को कई विभागों का निरीक्षण किया। कक्षाओं में छात्रों के साथ संवाद किया। एक कक्षा में गुरु जी अनुपस्थित मिले तो उन्हे कारण बताओ नोटिस दिया गया।

कुलपति ने हिन्दी, राजनीति विज्ञान, मानव विज्ञान और प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरातत्व विभाग का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कुलपति प्रो. आलोक राय राजनीति शास्त्र विभाग में अन्तरराष्ट्रीयय संबंध विषय की कक्षा में पहुंचे तो छात्र तो मौजूद थे, लेकिन पढ़ाने के लिए शिक्षक नहीं थे। इस पर कुलपति ने अनुपस्थित शिक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी करने के साथ कक्षा में फर्नीचर और सफाई की स्थिति सुधारने के निर्देश दिए। कुलपति ने इसी कक्षा के छात्रों के साथ भारत नेपाल सम्बंधों पर चर्चा की। अन्य कक्षाओं में भी कुलपति ने छात्रों के साथ संवाद किया। कुछ छात्रों ने बताया कि वे कंबाइंड डिफेंस सर्विसेज तो कुछ ने बताया कि वे सिविल सर्विसेज की तैयारी कर रहे हैं।

राजा महमूदाबाद को श्रद्धांजलि दी: मो. अमीर मोहम्मद खान (राजा महमूदाबाद) को विश्वविद्यालय के महमूदाबाद छात्रावास और हबीबुल्लाह छात्रावास में श्रद्धांजलि दी गई। छात्रावास के अभिरक्षक डॉ. ओपी शुक्ला, डॉ. महेंद्र अग्निहोत्री समेत छात्र-छात्राओं ने राजा महमूदाबाद की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट मौन रखा।

छात्रों को हॉस्टल पाने का आठ तक मौका

लखनऊ। एलयू में बीटेक, बीटेक (लेटरल एंट्री), बीफार्मा, एमसीए, एमपीएड, एमलिव कोर्स में नवप्रवेशित छात्रों के हॉस्टल आवेदन संबंधी सूचना विवि वेबसाइट पर है। इच्छुक छात्र आठ अक्तूबर तक हॉस्टल के लिए आवेदन कर सकते हैं। मुख्य अभिरक्षक प्रो. अनूप सिंह ने बताया कि आवेदन वाले विद्यार्थियों को मेरिट के आधार पर नियमानुसार आरक्षण लगाते हुए हॉस्टल आवंटन होगा। किसी विद्यार्थी को आवेदन में समस्या आती है तो वह हेल्पडेस्क में शिकायत कर सकता है। निस्तारण 24 घंटे में कर दिया जाता है।

कबड्डी के लिए चयन नौको

लखनऊ विश्वविद्यालय ऑल इंडिया नार्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी गेम्स 2023-24 में प्रतिभाग करेगा। इसके लिए टीम का चयन शुरू हो गया है। इसके अन्तर्गत नौ सितम्बर को पुरुष, महिला कबड्डी टीम चुनी जाएगी। दोपहर 12 बजे शिवाजी ग्राउण्ड पर ट्रायल देना होगा।

आर्ट्स कॉलेज की ख्याति विदेशों तक

वर्षगांठ आज

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। कला एवं शिल्प महाविद्यालय लखनऊ की कला विरासत का महत्वपूर्ण अंग हैं। यहां से निकले कलाकारों ने दुनिया में शोहरत कमाई और इस महाविद्यालय का नाम सुनहरे अक्षरों से लिखने में योगदान दिया। महाविद्यालय शुक्रवार को 112 वर्षों की कभी न भूलने वाली यात्रा पूरी कर लेगा। महाविद्यालय का स्थापना दिवस पर तीन दिन तक विविध आयोजनों के साथ मनाया जाएगा।

प्राचार्य रतन कुमार ने बताया कि 112 वर्ष पूर्व कला एवं शिल्प महाविद्यालय की स्थापना छह अक्तूबर को वर्तमान परिसर में तत्कालीन बाथरूकूल ऑफ आर्ट के हेड मास्टर प्रो. नैथेलियन हर्ड के नेतृत्व में हुई थी। इससे पूर्व महाविद्यालय कैसरबाग में इन्डस्ट्रीज डिपार्टमेन्ट अन्तर्गत संचालित किया जा रहा था। वर्ष 1911 भारतीय इतिहास में एक प्रमुख स्थान रखता है। छात्रों ने दिखाए कला के नमूने: स्थापना दिवस समारोह की तैयारियां अन्तिम दौर में हैं। महाविद्यालय परिसर में इन्स्टॉलेशन आर्ट से सजाया गया है। मूर्तिकला, सेरामिक्स, फोटोग्राफी, इलेस्ट्रेशन, लैण्डस्केप, कम्पोजीशन्स छात्रों का काम देखने को मिलेगा।

लखनऊ आर्ट्स कॉलेज में गुरुवार को समारोह की तैयारी में जुटे छात्र-छात्राएं।

JAGRAN CITY PAGE III

कुलपति के निरीक्षण में शिक्षक अनुपस्थित, नोटिस दी गई

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने दूसरे दिन गुरुवार को भी कई विभागों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान राजनीति विज्ञान विभाग में शिक्षक अमित सिंह कुशवाहा अनुपस्थित मिले। कुलपति के आदेश पर उन्हें कारण बताओ नोटिस की गई है।

गुरुवार को कुलपति हिंदी, राजनीति विज्ञान, मानव विज्ञान और प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग का निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने विभागों में छात्र-छात्राओं से बातचीत की। उनके पाठ्यक्रम और कक्षाओं के बारे में जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के एमए के छात्रों के प्रस्तुतिकरण को भी सुना। कुलपति ने नाराजगी जाहिर करते हुए अनुपस्थित शिक्षक को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। हालांकि, अन्य विभागों में कक्षाओं की स्थिति संतोषजनक मिली। जहां ज्यादातर विभागों में शिक्षक पढ़ाते नजर आए।

कुलपति ने निरीक्षण के दौरान विभागों में साफ-सफाई व फर्नीचर की व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिन विभागों का निरीक्षण किया उनमें मानव विज्ञान, हिंदी, प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के साथ राजनीति विज्ञान विभाग शामिल रहे। वीसी ने प्राचीन भारतीय इतिहास विभाग में एमए के विद्यार्थियों से प्रस्तुतिकरण सुना।

राजनीति विज्ञान विभाग में छात्राओं से बात करते प्रो. आलोक राय ● लवि

में भी बातचीत की। कुछ छात्रों ने कंबाइंड डिफेंस सर्विसेज तो कई ने सिविल सर्विसेज की तैयारी करने की जानकारी दी। कुलपति ने भारत-नेपाल संबंधों पर भी छात्रों से चर्चा की। गौरतलब है कि बुधवार को सुबह सांख्यिकी विभाग में निरीक्षण के दौरान भी कुलपति को क्लास में शिक्षक नहीं मिले थे, जिसके बाद उन्होंने खुद ही स्टैटिस्टिकल क्वालिटी कंट्रोल विषय पर पढ़ाना शुरू कर दिया था।

NBT PAGE 5

वीसी के निरीक्षण में शिक्षक मिले अनुपस्थित

- एनबीटी सं., लखनऊ: एलयू वीसी गुरुवार को कई विभागों के औचक निरीक्षण के निरीक्षण पर निकले। इस दौरान राजनीति शास्त्र विभाग के शिक्षक अनुपस्थित मिले। वीसी ने शिक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय गुरुवार को हिन्दी, राजनीति विज्ञान, मानव विज्ञान और प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के निरीक्षण पर निकले। उन्होंने स्टूडेंट्स से पाठ्यक्रम और कक्षाओं के बारे में जानकारी ली।

आकस्मिक छोड़ सभी अवकाश लवि कुलपति करेंगे मंजूर

जासं, लखनऊ : लवि में अब आकस्मिक अवकाश को छोड़ अन्य सभी अवकाश की मंजूरी कुलपति से लेनी होगी। इसके लिए एक सप्ताह पूर्व आवेदन करना होगा। आकस्मिक अवकाश की मंजूरी विभागाध्यक्ष की संस्तुति पर संबंधित संकाय के अध्यक्ष स्वीकृति देंगे। कुलपति के आदेश पर कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने सभी विभागों को पत्र जारी कर दिया है।

डा. विनोद ने बताया कि यदि कोई शिक्षक कर्तव्यावकाश, विशेष अवकाश, अर्जित अवकाश, असाधारण अवकाश, प्रसूति अवकाश, बाल्य देखभाल अवकाश आदि पूर्व स्वीकृति के बिना किसी भी दशा में उपभोग नहीं कर सकेंगे। ऐसे अवकाश जिसमें किसी शिक्षक को मुख्यालय से बाहर जाना हो तो शिक्षक को आवेदन पत्र विशेष परिस्थितियों को छोड़कर सात कार्यदिवसों से पहले कुलपति के पास प्रस्तुत करना होगा।

छात्रावास में मो. अमीर मोहम्मद खान को दी गई श्रद्धांजलि

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के महमूदाबाद और हबीबुल्लाह छात्रावास में गुरुवार शाम को राजा महमूदाबाद के नाम से मशहूर मो. अमीर मोहम्मद खान को श्रद्धांजलि दी गई।

बुधवार तड़के लंबी बीमारी के चलते उनका निधन हो गया था। 80 वर्षीय मो. खान काफी समय से बीमार चल थे। महमूदाबाद के प्रोवोस्ट डा. ओपी शुक्ला और हबीबुल्लाह छात्रावास के प्रोवोस्ट डा.महेंद्र अग्निहोत्री सहित छात्रों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

डा. महेंद्र ने बताया कि मोहम्मद अमीर मोहम्मद खान की रियासत सीतापुर से लेकर लखनऊ तक फैली हुई है। उन्हें सामाजिक कार्यों के लिए भी जाना जाता था।

उन्होंने व उनके परिवार ने (1934-42) में लवि में बने महमूदाबाद छात्रावास के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की थी। वह लखनऊ विश्वविद्यालय के कार्य-परिषद के सदस्य भी रहे।

हास्टल के लिए आवेदन आठ तक

लखनऊ विश्वविद्यालय में बी.टेक, बी.टेक (लेटरल एंट्री), बी.फार्मा, एम.सीए, एम.पीएड, एम.लिब कोर्स में नवप्रवेशित छात्र-छात्राएं आठ अक्टूबर तक हास्टल के लिए आवेदन कर सकते हैं। गुरुवार को चीफ प्रोवोस्ट प्रोफेसर अनूप कुमार सिंह ने इसकी सूचना जारी की।

1907 में बनी थी आर्ट्स कालेज की योजना

आज पूरे होंगे 112 साल तीन दिन तक होगा कालेज का स्थापना दिवस समारोह

कला एवं शिल्प महाविद्यालय में आयोजित स्थापना दिवस पर आयोजित होने वाले समारोह की तैयारी करते छात्र और बनाया जा रहा सेल्फी प्वाइंट ● जागरण

आर्ट्स कालेज में बिताए दिन कभी भूल नहीं सकता। वर्ष 1999 से 2005 तक पढ़ाई कर वीएफए यूटिन और एमएफए की डिग्री ली। लेकिन कभी सपने में भी नहीं सोचा था। मैं कलाकार बन रहने वाला हूं। किसी ने कहा था कि प्रोफेशनल आर्टिस्ट बनने के लिए बाहर निकलना होगा। तभी आर्ट्स कालेज आया। बहुत कुछ सिखाने व सीखने को मिला। संघर्ष भी रहा।

नवल किशोर, चित्रकार

आर्ट्स कालेज की हेरिटेज और कल्चर रिसर्च देता है। इसके बारे में काफी सुना था तो दिल्ली से बी.एफए करने के बाद यहां से एम.डीए की डिग्री ली। कालेज में अच्छी एक्टिविटी होती थी। पूर्व प्राचार्य आलोक कुमार पुरुषवाला ने मेरा मार्गदर्शन किया तो मैंने यहां प्रवेश लिया था।

सुपुर कुंदू, प्रीमियर मिक्सड आर्टिस्ट

एक नजर में आर्ट्स कालेज

- वर्ष 1907 : औपनिवेशिक पाकेटमर ने कला एवं शिल्प महाविद्यालय खोलने पर विचार
- छह अक्टूबर वर्ष 1911 : कला एवं शिल्प महाविद्यालय की स्थापना
- पढ़ाई की शुरुआत : छह डिप्लोमा और प्रमाण पत्र कोर्सों से हुई
- कालेज के पहले प्राचार्य : प्रो. नैथेनियल हर्ड
- वर्तमान में संचालित कोर्स : बी.डी.ए यूटिन, एप्लाइड आर्ट, स्कल्पचर, टेक्सटाइल डिजाइन, एम.फिर यूटिन, एप्लाइड आर्ट, एम.डी.ए स्कल्पचर, पीएचडी
- छात्र-छात्राओं की संख्या : 500
- शिक्षकों की संख्या : नौ स्थायी शिक्षक, 12 विषय विशेषज्ञ

कालेज के पूर्व छात्र रहे बी.एफए यूटिन व एमएफए की डिग्री ली। लेकिन कभी सपने में भी नहीं सोचा था। मैं कलाकार बनूंगा। ● जागरण

कला एवं शिल्प महाविद्यालय में आयोजित स्थापना दिवस पर आयोजित होने वाले समारोह की तैयारी करते छात्र और बनाया जा रहा सेल्फी प्वाइंट

आर्ट्स कालेज में गुरुवार को समारोह की तैयारी में जुटे छात्र-छात्राएं।

PIONEER PAGE 3

अमीर मोहम्मद खान को महमूदाबाद व हबीबुल्लाह छात्रावास में दी गयी श्रद्धांजलि

लखनऊ। राजा महमूदाबाद के नाम से मशहूर मो. अमीर मोहम्मद खान को गुरुवार को महमूदाबाद छात्रावास एवं हबीबुल्लाह छात्रावास के अभिरक्षक डा ओपी शुक्ला एवं डा महेंद्र अग्निहोत्री, सहायक अभिरक्षक के निर्देशन में दोनों छात्रावासों के छात्रों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। बता दें कि मो. अमीर मोहम्मद खान का बुधवार तड़के लंबी बीमारी के चलते निधन हो गया। वो 80 साल के थे और काफी समय से बीमार चल थे। बुधवार की शाम सीतापुर जिले के महमूदाबाद कर्बला में उन्हें सुपुर्द ए खाक कर दिया गया। मोहम्मद अमीर मोहम्मद खान की रियासत सीतापुर से लेकर लखनऊ तक फैली हुई है। उन्हें सामाजिक कार्यों के लिए भी जाना जाता था। साल 1985 से लेकर 1989 तक वो महमूदाबाद विधानसभा से विधायक भी रहे हैं।

आईएमएस के छात्रों ने प्रतियोगिता में पहला स्थान हासिल किया

लखनऊ। इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज, लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों ने ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ में आयोजित कोसाक- 2023 में समूह नृत्य प्रतियोगिता और एकल नृत्य प्रतियोगिता में पहला स्थान हासिल किया। बीबीए और एमबीए के छात्रों ने कई अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी भाग लिया है। एक अन्य खबर के मुताबिक विश्वविद्यालय में बी टेक, बी टेक लेटरल एंट्री, बी फार्मा, एमसीए, एमपीएड, एम लिव कोर्स में नवप्रवेशित सभी विद्यार्थीयों के हॉस्टल आवेदन संबंधी सूचना विश्वविद्यालय वेबसाइट पर उपलब्ध है। आवेदन की अंतिम तिथि 8 अक्टूबर 2023 है। हॉस्टल आवंटन की पूरी प्रक्रिया एचएमएस ऐप पर ऑनलाइन हो रही है। चीफ प्रोवोस्ट प्रो अनूप कुमार सिंह ने बताया कि आवेदन करने वाले विद्यार्थियों को एडमिशन में प्राप्त मेरिट के आधार पर नियमानुसार आरक्षण लगाते हुए हॉस्टल आवंटन किया जाएगा।

112 वर्ष का हुआ कला एवं शिल्प महाविद्यालय, स्थापना दिवस आज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के घटक के रूप में शामिल कला एवं शिल्प महाविद्यालय गुरुवार को 112 वर्ष का हो जायेगा। स्थापना दिवस के मौके पर महाविद्यालय की तरफ से तीन दिवसीय विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। जिनका उद्घाटन विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और दीन दयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर की कुलपति प्रो. पूनम टंडन, प्रमुख सचिव समाज कल्याण डॉ. हरिओम संयुक्त रूप से करेंगे।

इतिहास के पन्नों पर नजर डालें तो 112 वर्ष पूर्व कला एवं शिल्प महाविद्यालय की स्थापना 6 अक्टूबर को वर्तमान परिसर में तत्कालीन बाथरूकूल ऑफ आर्ट के हेड मास्टर प्रो नैथेलियन हर्ड के नेतृत्व में शुरूआत की गयी थी। इससे पूर्व महाविद्यालय कैसरबाग में इन्डस्ट्रीज डिपार्टमेन्ट के अनर्गत संचालित किया जा रहा था। वर्ष 1911 भारतीय इतिहास में एक प्रमुख स्थान रखता है। उसी दौर में किंग जार्ज मेडिकल कालेज लखनऊ, इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रयागराज तथा नई दिल्ली का भी निर्माण हो रहा था। ब्रिटिश सत्ता तथा शासन की प्रतीक के रूप में स्थापित कला एवं शिल्प महाविद्यालय 1924 आते-आते बंगाल आर्ट मूवमेन्ट से जुड़ गया और इसके भारतीय प्रधानाचार्य असित कुमार हल्दर के नेतृत्व में बंगाल आर्ट मूवमेन्ट का कार्य स्थल बन गया। पुराने छात्रों और प्रतीकों को याद करते हुए महाविद्यालय ने भारतीय कला में मील का पत्थर साबित किया है। महाविद्यालय के छात्र-छात्रायें तथा शिक्षकगण पूरी दुनिया में अपना नाम ऊँचा किया है। वर्तमान में महाविद्यालय में नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश, मॉरीसस एवं कजाकिस्तान आदि देशों के छात्र पढ़ाई कर रहे हैं। इस अवसर पर छात्रों ने काफी समय से तैयारियाँ शुरू कर दी हैं। परिसर में जगह-जगह इन्स्टॉलेशन आर्ट की रचना की गयी है। गाँधी प्रतीक स्थल तथा स्वागत, गीत आदि बहुत कलात्मक ढंग से बनाये गये हैं। सभी कक्षाओं में छात्रों द्वारा अपनी कलाकृतियों की प्रदर्शनी लगाई गयी है। जिसमें मूर्तिकला विभाग, सेरामिक्स, एप्लाइड आर्ट, फोटोग्राफी, इलेस्ट्रेशन, पोट्रेट पेन्टिंग, लैण्डस्केप, कम्पोजीशन्स एवं टेक्सटाइल विभाग के छात्रों का काम देखने को मिलेगा। छात्रों द्वारा इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी प्रत्येक दिवस शाम 4 से 6 बजे तक महाविद्यालय के हल्दर हाल में किया जायेगा। कार्यक्रम के अन्तिम दिन 8 अक्टूबर को छात्र-छात्राओं द्वारा फैशन शो का भी आयोजन है। इस मौके पर आमंत्रित अतिथियों में बीएचयू वाराणसी से डॉ.महेश कुमार सिंह, दिल्ली से प्रो.राजन श्रीपाद फुलारी तथा निफ्ट रायबरेली से प्रो.सुहैल अन्सारी, लखनऊ के चित्रकार उमेश कुमार सक्सेना एवं नई दिल्ली से अशोक भौमिक का व्याख्यान, डिमांस्ट्रेशन छात्र-छात्राओं के सम्मुख होगा। कार्यक्रम में गोयल ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूट, टेक्नो इन्स्टीट्यूट, कृष्ण दत्त एकेडमी डिग्री कालेज, लखनऊ तथा एकेटीयू फैकल्टी ऑफ आर्किटेक्चर के छात्र-छात्रायें भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन शुक्रवार को कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय आलोक कुमार राय, प्रो.पूनम टंडन डीडीयू गोरखपुर तथा डॉ. हरिओम प्रमुख सचिव, समाज कल्याण द्वारा संयुक्त रूप से किया जायेगा।

एलयू कुलपति बने छात्र, देखा प्रजेंटेशन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय गुरुवार को छात्रों संग क्लासरूम में एक छात्र की तरह नजर आये। छात्रों के बीच बैठ कर उन्होंने न केवल परास्नातक के छात्रों का प्रजेंटेशन देखा वरन, इसे और बेहतर बनाने को लेकर टिप्स भी दिये।

विवि के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने आज विभागों के निरीक्षण के तहत हिन्दी, राजनीति विज्ञान, मानव विज्ञान और प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कुलपति ने विभागों में छात्र.छात्राओं से वार्ता की और उनसे उनके पाठ्यक्रम और कक्षाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।

इस दौरान उन्होंने प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के एमए के छात्रों के प्रस्तुतिकरण को भी सुना। इस दौरान कुलपति ने कुछ छात्रों से उनकी रुचि और प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति उनकी तैयारी के विषय में भी बातचीत की। छात्र छात्राओं ने भी अपनी तैयारियों के बारे में बताया। कुछ छात्रों ने बताया कि वे कंबाइंड डिफेंस सर्विसेज की तैयारी कर रहे है तो कुछ ने बताया कि वे सिविल सर्विसेज की तैयारी कर रहे हैं। कुलपति ने उनको भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

कला एवं शिल्प महाविद्यालय का ११२वां स्थापना दिवस आज

स्वतंत्र भारत संवाददाता,लखनऊ। स्थानीय कला महाविद्यालय प्रतिनिधि द्वारा कला एवं शिल्प महाविद्यालय अपनी स्थापना का 112 वां दिवस

तीन दिवसीय समारोह में होंगे विभिन्न कार्यक्रम

6, 7 और 8 अक्टूबर को विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर मनाएंगे। गौरतलब है,कि 112 वर्ष पूर्व कला एवं शिल्प महाविद्यालय की स्थापना 6 अक्टूबर को वर्तमान परिसर में तत्कालीन बाथरूकूल ऑफ आर्ट के हेड मास्टर प्रो.नैथेलियन हर्ड के नेतृत्व में शुरूआत की गयी थी। इससे पूर्व महाविद्यालय कैसरबाग में इन्डस्ट्रीज डिपार्टमेन्ट के तहत संचालित किया जा रहा था। वर्ष 1911 भारतीय इतिहास में एक प्रमुख स्थान रखता है। उसी दौर में किंग जार्ज मेडिकल कालेज लखनऊ, इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रयागराज तथा नई दिल्ली का भी निर्माण हो रहा था। ब्रिटिश सत्ता तथा शासन की प्रतीक के रूप में स्थापित कला एवं शिल्प महाविद्यालय 1924 आते-आते बंगाल आर्ट मूवमेन्ट से जुड़ गया और इसके भारतीय प्रधानाचार्य असित कुमार हल्दर के नेतृत्व में बंगाल आर्ट मूवमेन्ट का कार्य स्थल बन गया। पुराने छात्रों और प्रतीकों को याद करते हुए महाविद्यालय ने भारतीय कला में मील का पत्थर साबित किया है। महाविद्यालय के छात्र-छात्रायें तथा शिक्षकगण पूरी दुनिया में अपना नाम ऊँचा किया है। वर्तमान में महाविद्यालय में नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश, मॉरीसस एवं कजाकिस्तान आदि देशों के छात्र पढ़ाई कर रहे हैं। इस अवसर पर छात्रों ने काफी समय से तैयारियाँ शुरू कर दी हैं। परिसर में जगह-जगह इन्स्टॉलेशन आर्ट की रचना की गयी है। गाँधी प्रतीक स्थल तथा स्वागत, गीत आदि बहुत कलात्मक ढंग से बनाये गये हैं। सभी कक्षाओं में छात्रों द्वारा अपनी कलाकृतियों की प्रदर्शनी लगाई गयी है,जिसमें मूर्तिकला विभाग, सेरामिक्स, एप्लाइड आर्ट, फोटोग्राफी, इलेस्ट्रेशन, पोट्रेट पेन्टिंग, लैण्डस्केप, कम्पोजीशन्स एवं टेक्सटाइल विभाग के छात्रों का काम देखने को मिलेगा। छात्रों द्वारा इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी प्रत्येक दिवस शाम 4 से 6 बजे तक महाविद्यालय के हल्दर हाल में किया जायेगा। कार्यक्रम के अन्तिम दिन 8 अक्टूबर को छात्र-छात्राओं द्वारा फैशन शो का भी आयोजन है। इस मौके पर आमंत्रित अतिथियों में बीएचयू वाराणसी से डॉ.महेश कुमार सिंह, दिल्ली से प्रो.राजन श्रीपाद फुलारी तथा निफ्ट रायबरेली से प्रो.सुहैल अन्सारी, लखनऊ के चित्रकार उमेश कुमार सक्सेना एवं नई दिल्ली से अशोक भौमिक का व्याख्यान, डिमांस्ट्रेशन छात्र-छात्राओं के सम्मुख होगा। कार्यक्रम में गोयल ग्रुप